HINDUUSTAN PAGE 1, 7

बीबीएयू और लखनऊ विश्वविद्यालय ने रैंकिंग में लगाई लंबी छलांग

एनआईआरएफ में आईआईटी मद्रास को पहला स्थान

उपलब्धि

नई दिल्ली/लखनऊ, विसं। केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों की सूची जारी कर दी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ 2024) की घोषणा की। रैंकिंग के 9वें संस्करण में एक बार फिर आईआईटी मद्रास ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। वहीं यूपी के शिक्षण संस्थानों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है।

ओवरऑल रैंकिंग में बाबा साहेब आम्बेडकर यूनिवर्सिटी (बीबीएयू) ने लंबी छलांग लगाई है। पिछले वर्ष के मुकाबले 11 अंकों की छलांग लगाते हुए 58वीं रैंक हासिल की है। पिछले वर्ष 69वीं रैंक थी। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय ने पहली बार देशभर के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में 97वां स्थान प्राप्त किया है। केजीएमयू की ओवरऑल रैंकिंग, विश्वविद्यालयों तथा मेडिकल संस्थानों की रैंकिंग में गिरावट आई है। आईआईएम लखनऊ की भी एक रैंक गिरी है।

एलयू शीर्ष 100 में P14

बेंगलुरु का आईआईएससी यूनिवर्सिटी श्रेणी में अव्वल

यूनिवर्सिटी कटेगरी में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलूरु को एक बार फिर से पहली रैंक प्राप्त हुई है। दूसरे स्थान पर जेएनयू है, जिसकी पिछले वर्ष भी समान रैंकिंग थी। वहीं, तीसरे स्थान पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी, रिसर्च आदि मानदंडों पर उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन और रैंकिंग की जाती है।

बीएचयू पांचवें स्थान पर P17

ओवरआल श्रेणी में टॉप 10 संस्थानों की रैंकिंग

- आईआईटी, मद्रास
- आईआईटी, बेंगलुरु
- आईआईटी, बॉम्बे
- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, कानपुर
- आईआईटी, खड़गपुर
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली
- आईआईटी, रुड़की
- आईआईटी, गुवाहाटी
- जवाहरलाल नेहरू विवि, दिल्ली

एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 में इस साल लखनऊ विश्वविद्यालय ने हासिल की नई उपलब्धि

एलयू पहली बार शीर्ष 100 में पहुंचा केजीएमयू और आईआईएम फिसले

आकलन

लखनऊ, संवाददाता। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की ओवरऑल रैंकिंग में बीबीएयू ने लंबी छलांग लगाई है। पिछले वर्ष के मुकाबले 11 अंकों की छलांग लगाते हुए 58वीं रैंक हासिल की है। पिछले वर्ष बीबीएयू की 69वीं रैंक थी। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

देशभर के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में 97वां स्थान प्राप्त किया है। एलयू पहली बार शीर्ष 100 में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा है।

विश्वविद्यालयों की श्रेणी में बीबीएयू ने इस बार 33वीं रैंक हासिल की है, पिछले वर्ष 42वीं रैंक थी। बीबीएयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा ने बताया कि विधि संस्थानों की श्रेणी में बीबीएयू 10वें, फार्मेसी में 21वें और मैनेजमेंट की श्रेणी में 86वां स्थान हासिल किया है।

केजीएमयू ओवरऑल रैंकिंग, विश्वविद्यालयों तथा मेडिकल संस्थानों की रैंकिंग में गिरावट आई है। वहीं आईआईएम लखनऊ की भी एक रैंक पिछले वर्ष के मुकाबले गिरी है।

एलयू ने इस बार एनआईआरएफ में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में अपनी जगह बनाई है। प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि एलयू शीर्ष 100 में जगह बनाने वाला उत्तर प्रदेश का पहला गैर-विशेषज्ञ राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। इस वर्ष एलयू ने विश्वविद्यालयों में 97, राज्य विश्वविद्यालयों में 32 और विधि श्रेणी में 21वीं रैंक हासिल की है। बीते वर्ष 101-150 रैंक बैंड में था।

97 वें स्थान पर रहा एलयू विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में इस बार

- बीबीएयू ने इस बार 33वीं रैंक हासिल की है पिछली बार 42वीं रैंक थी
- बीबीएयू ने विधि श्रेणी में 10वीं रैंक आई है। वहीं लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की विधि श्रेणी में 20वीं रैंक है।
- आईआईएम लखनऊ की 2023 में 6वीं रैंक थी। इस बार 7वीं आई है।
- आईआईटी कानपुर अखिल भारतीय विश्वविद्यालय ओवर ऑल में पांचवें स्थान पर रहा।

एसजीपीजीआई की रैंक में एक अंक का सुधार

एसजीपीजीआई की रैंकिंग में बीते वर्ष के मुकाबले एक रैंक का सुधार हुआ है। संस्थान ने देश भर में मेडिकल श्रेणी में 6वीं रैंक हासिल की है। बीते वर्ष एसजीपीजीआई की सातवीं रैंक थी। संस्थान का कुल स्कोर 69.62 से बढ़कर 70.07 हुआ है। इस बार 0.45 की बढ़ोत्तरी हुई है। वित्तीय संसाधनों और उनके उपयोग (एफआरयू) का दायरा 28.37 से 29.58 हुआ है। रिसर्च पब्लिकेशन 23.45 अंक से 24.28 व बौद्धिक संपदा अधिकार में एक से बढ़ 1.50 हुआ है।

लगातार चौथे वर्ष केजीएमयू की रैंक गिरी

एनआईआरएफ में केजीएमयू को मेडिकल कैटिगरी संग ओवरऑल रैंकिंग में भी नुकसान हुआ है। इस साल केजीएमयू को ओवरऑल रैंक में 88वां स्थान मिला है। जबकि पिछले साल केजीएमयू 77 और 2022 में 75वें पायदान पर था। इस बार केजीएमयू को ओवरऑल रैंक में 48.98 नंबर के 88वां स्थान मिला है। बीते साल केजीएमयू 77वें नंबर पर था। यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भी कद घटा है। पिछले साल इस श्रेणी में 45वां स्थान मिला था। इस बार 53वीं रैंक है।

07 वीं रैंक आईआईएम की इस बार आई

कुलपति, निदेशक बोले बेहतरी का प्रयास होगा

"शिक्षण, लर्निंग एंड रिसोर्सेज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस और आउटरीच समेत अन्य क्षेत्र में और भी बेहतर कार्य करने का प्रयास किया जाएगा। प्रो. एनएमपी वर्मा, कुलपति, बीबीएयू

"एलयू अपने बुनियादी ढांचे, शोध क्षमताओं और छात्र जुड़ाव पहलों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। एलयू पूरे देश में एनईपी लागू करने वाला पहला संस्थान है। प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, एलयू

"रोगियों के उपचार और शोध का दायरा बढ़ा है। संस्थान में पाठ्यक्रमों के परिणाम भी अच्छे आए हैं। अगले वर्ष इसे और बेहतर करने का प्रयास किया जाएगा। डॉ. आरके धीमान, निदेशक, एसजीपीजीआई

"केजीएमयू में लगातार मेडिकल, इलाज व शोध के क्षेत्र में सुधार हो रहा है। किन कारणों से रैंक पिछड़ी, इसका अध्ययन किया जाएगा। डॉ. सोनिया नित्यानंद, कुलपति, केजीएमयू

i-NEXT PAGE 4

टॉप-100 में एलयू आया, बीबीएयू भी छाया

एनआईआरएफ की 2024 रैंकिंग में हासिल किया मुकाम

LUCKNOW(12 AUG): राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की 2024 की रैंकिंग में लखनऊ के कई संस्थानों ने इस बार शानदार प्रदर्शन कर बढ़त बनाई है. देश के टाप-100 संस्थानों में उनकी उपस्थिति से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार दिखा है. ओवरआल कैटेगरी में बीबीएयू 58वें स्थान पर आया है. यूनिवर्सिटी की श्रेणी में बीबीएयू 33वें स्थान पर है. लखनऊ यूनिवर्सिटी ने इस श्रेणी में 97 वां स्थान प्राप्त किया है.

i GOOD NEWS

CONCEPT PIC

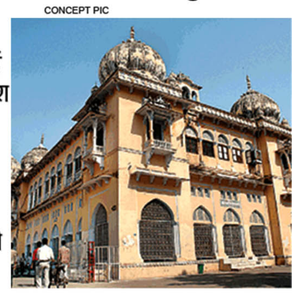

एलयू को विधि में 23वीं रैंक

लखनऊ यूनिवर्सिटी विश्वविद्यालय की श्रेणी में देश के टाप-100 यूनिवर्सिटी में शामिल हो गया है. इस श्रेणी में एलयू की रैंकिंग 97 है. पिछले वर्ष एलयू 115वें स्थान पर था. एलयू विधि की श्रेणी में देश के शीर्ष विधि संस्थानों में 23वें स्थान पर आ गया है. अभी तक इसमें उसकी कोई श्रेणी नही थी. इसके साथ ही स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी में एलयू 32वें स्थान पर आया है. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने रैंकिंग पर खुशी जताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय लगातार इस रैंकिंग में सुधार कर रहा है. इस बार टाप-100 में आकर प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है.

एलयू की रैंकिंग

वर्ष	रैंक
2024	97
2023	115
2022	195

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू को एनआईआरएफ रैंकिंग में बड़ी उपलब्धि

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग-2024 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बारे में बताते हुए गर्व हो रहा है। उक्त बातें कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कहीं। उन्होंने बताया कि लविवि ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित एनआईआरएफ में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में अपनी रैंक हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ, लविवि ने उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। लविवि शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में जगह बनाने वाला यूपी का पहला गैर-विशेषज्ञ राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। विवि ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है, जिससे भारत के शीर्ष संस्थानों में एक सराहनीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस वर्ष, लविवि ने विश्वविद्यालयों में 97, राज्य विश्वविद्यालयों में 32 और विधि श्रेणी में 23 रैंकिंग हासिल की है, जो शिक्षा, शोध और छात्र विकास के मानकों को बढ़ाने के इसके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। पिछले साल विवि को 101-150 रैंक में रखा गया था और उससे पहले हम 151-200 रैंक बैंड में थे। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह रैंकिंग पूरे लविवि समुदाय के समर्पण और प्रयासों की मान्यता है। यह अकादमिक कठोरता, शोध नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के माहौल को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

हम उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे और देश के शैक्षिक परिदृश्य में सकारात्मक योगदान देंगे। विश्वविद्यालय अपने बुनियादी ढांचे, शोध क्षमताओं और छात्र जुड़ाव पहलों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है (भारत के साथ-साथ राज्य में भी एनईपी को लागू करने वाला पहला संस्थान)। इसने पिछले चार वर्षों में 220 से अधिक संकाय सदस्यों को नियुक्त करके शिक्षक-छात्र अनुपात में उल्लेखनीय सुधार किया है।

लविवि का प्राथमिक विद्यालयों में आउटरीच कार्यक्रम सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ.एस.आर. रंगनाथन की 132वीं जयंती के अवसर पर पुस्तकों, पठन-पाठन और पुस्तकालयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जीवंत कार्यक्रम का आयोजन किया। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के तत्वावधान में राजधानी के चार प्राथमिक विद्यालयों में उच्च प्राथमिक विद्यालय, मड़ियांव, उर्दू मिशन स्कूल, सदर बाजार, प्राथमिक विद्यालय महानगर और करामत पब्लिक स्कूल निशातगंज में इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो.बबीता जायसवाल ने संकाय सदस्यों, पूर्व छात्रों, शोधार्थियों, छात्रों और कर्मचारियों के साथ मिलकर इस पहल का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम के तहत सभी विद्यालयों में चलो कहानियां सुने, पुस्तक को जानें, पठन-कौशल परीक्षण और बुकमार्क कलरिंग जैसी आकर्षक गतिविधियों से भरा हुआ था। जो सभी छात्रों में पढ़ने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने एवं अपनी पुस्तकों को जानने तथा समझने के लिए आयोजित किए गए थे। प्रतिभागियों ने पुस्तकों की देखभाल करने और पुस्तकालयों की भूमिका को आओ पुस्तक सम्भाले तथा पुस्तकालय को जाने चार्ट के माध्यम से समझा एवं उनके महत्व के बारे में भी सीखा। इंटरैक्टिव क्विज़ और जम्बल्ड वर्कशीट ने कार्यक्रम में एक मजेदार और शैक्षिक तत्व जोड़ा, जिसमें छात्रों ने उत्सुकता से भाग लिया।

डॉ. एस.आर. रंगनाथन का मनाया 132वां जन्मदिन

रैगिंग से मानसिक स्वास्थ्य को हानि

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। रैगिंग एक गंभीर विषय है जो न केवल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाती है। यह सप्ताह हमारे छात्रों को यह समझने में मदद करेगा कि रैगिंग अनैतिक है। कानूनी रूप से भी दंडनीय अपराध है। ये बातें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहीं।

वह सोमवार को एलयू में रैगिंग मुक्त परिसर के लिए एंटी रैगिंग सप्ताह के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान कुलपति ने सभी को सुरक्षा बैंड भी बांटा। कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि हम सुरक्षित, सम्मानजनक विश्वविद्यालय बना सकते हैं जहां सभी छात्र सीखने और बढ़ने के लिए स्वतंत्र महसूस कर सकें। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा विश्वविद्यालय समुदाय से अपेक्षा की जाती है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और रैगिंग मुक्त परिसर बनाने में अपना योगदान दें। कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने बताया कि 12 से 18 अगस्त तक आयोजन होंगे। विश्वविद्यालय ने #YaARIYouthAgainstRagging हैशटैग से सोशल मीडिया अभियान भी शुरू किया है।

एलयू में कुलपति ने एंटी रैगिंग सप्ताह की शुरुआत बैंड वितरण के साथ की।

JAGRAN CITY PAGE I

टाप-100 में लखनऊ विश्वविद्यालय, बीबीएयू की लंबी छलांग

जागरण संवाददाता • लखनऊ: राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की 2024 की रैंकिंग ने लखनऊ के उच्च शिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता और प्रगति को उजागर किया है। यहां के कई संस्थानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी बढ़त बनाई है। देश के टाप-100 संस्थानों में उनकी उपस्थिति से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार दिखा है। साथ ही इन संस्थानों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक पहचान भी बनाई है। ओवरआल कैटेगरी में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) 58वें स्थान पर है। विश्वविद्यालय की श्रेणी में बीबीएयू 33वें स्थान पर है। जबकि लखनऊ विश्वविद्यालय ने इस श्रेणी में 97वां स्थान प्राप्त किया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय को 97वां स्थान, विधि में 23वीं रैंक

लखनऊ विश्वविद्यालय को एनआइआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 100 वें आने पर कुलपति प्रो. आलोक राय को बधाई देती रैंकिंग सेल की निदेशक डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा और अन्य प्रोफेसर • सौ. लवि

लवि शीर्ष 100 में आने वाला प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय की श्रेणी में लखनऊ विश्वविद्यालय देश के टाप-100 यूनिवर्सिटी में शामिल हो गया है। इस श्रेणी में विश्वविद्यालय की रैंकिंग 97 है। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय 115वें स्थान पर था। इस श्रेणी में 18रैंक ऊपर उठते हुए विश्वविद्यालय ने यह उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही लवि विधि की श्रेणी में देश के शीर्ष विधि संस्थानों में 23वें स्थान पर आ गया है। अभी तक इसमें उसकी कोई श्रेणी नहीं थी। स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी में लवि 32वें स्थान पर आया है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने रैंकिंग पर खुशी जताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय लगातार इस रैंकिंग में सुधार कर रहा है। दो वर्ष पहले 150 से 200 में रहे, पिछले वर्ष 115वें नंबर और इस बार टाप-100 में आकर प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जिसे यह रैंकिंग मिली है। शैक्षणिक, शोध और अन्य सभी बिंदुओं पर सतत विकास का परिणाम है। एनआइआरएफ में दो श्रेणी में आवेदन किया गया था, दोनों में रैंकिंग आई है। अगले वर्ष मैनेजमेंट संकाय में भी आवेदन किया जाएगा।

लवि की रैंकिंग

PIONEER PAGE 3

एनआईआरएफ ने जारी की रैंकिंग, राजधानी के शिक्षण संस्थान शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीजीआई छठे स्थान पर, आईआईएम लखनऊ सातवें नंबर पर

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को नेशनल इंस्टिट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) इंडिया रैंकिंग जारी कर दी है। जिसमें देश के शीर्षस्थ शिक्षण संस्थानों को रैंक प्रदान की गई है। इस रैंकिंग में राजधानी के भी शिक्षण संस्थानों ने जगह हासिल करने में कामयाबी पाई है। शीर्ष प्रबंध संस्थानों में लखनऊ के भारतीय प्रबंधन संस्थान ने सातवां स्थान हासिल किया है। ओवरऑल कटेगरी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर को पांचवां स्थान मिला है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालयों में 97, राज्य विश्वविद्यालयों में 32 और विधि श्रेणी में 23 रैंकिंग हासिल की है। जो शिक्षा, शोध और छात्र विकास के मानकों को बढ़ाने के इसके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। पिछले साल विश्वविद्यालय को 101-150 रैंक बैंक में रखा गया था और उससे पहले हम 151-200 रैंक बैंड में थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन. एम. पी. वर्मा ने सभी को बधाई देते हुए, कहा कि यह सफलता सामत विश्वविद्यालय परिवार के अथक एवं सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

पिछले वर्ष (2023) के लिए भारत रैंकिंग अभ्यास में, एसजीपीजीआई ने देश में 7वीं रैंक हासिल की थी। एसजीपीजीआई ने 2024 के लिए प्रतिष्ठित एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए फिर से खुद को पंजीकृत किया। एनआईआरएफ रैंकिंग 2024 में, एसजीपीजीआईएमएस ने पूरे देश में मेडिकल श्रेणी में 6वां स्थान हासिल किया है। संस्थान के निदेशक प्रो. आरके धीमन का कहना है कि एसजीपीजीआई उत्तर प्रदेश सरकार का एकमात्र संस्थान है, जिसने रणनीतिक योजना के साथ कड़ी मेहनत की और वर्ष 2023 से 2024 में 7वीं से छठी रैंक हासिल की। इसी तरह केजीएमयू ने भी सातवीं रैंक हासिल की है। जबकि बीडीएस कॉलेजों की श्रेणी में राजधानी के किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी को चौथा स्थान मिला है।

प्रदेश के इन संस्थानों ने बनाई जगह

अलग-अलग श्रेणियों की रैंकिंग में प्रदेश के कुछ संस्थानों ने जगह बनाई है। ओवरऑल शीर्ष संस्थानों में कानपुर आईआईटी को पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है। शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में आईआईटी कानपुर को चौथा स्थान मिला है। वहीं आईआईटी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने इस सूची में दसवां स्थान हासिल किया है। प्रबंधन संस्थानों में लखनऊ आईआईएम को सातवां स्थान प्राप्त हुआ है। शीर्ष विश्वविद्यालयों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय को पांचवा जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को आठवां स्थान मिला है।

17 श्रेणियों में हुई रैंकिंग

इस साल की रैंकिंग में तीन नई श्रेणियां शामिल हैं। ओपन यूनिवर्सिटी, स्किल-बेस्ड यूनिवर्सिटी और स्टेट-फंडेड गवर्नमेंट यूनिवर्सिटी। पिछले साल, रैंकिंग में ओवरऑल, इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी, कॉलेज, मैनेजमेंट, लॉ, मेडिकल, डेंटल, फार्मेसी, आर्किटेक्चर और रिसर्च जैसी 13 श्रेणियां शामिल थीं। अब कुल श्रेणियों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है।

इन मापदंडों के मुताबिक मिली रैंकिंग

रैंकिंग पद्धति में शिक्षण और सीखने के संसाधन, शोध और पेशेवर अभ्यास, स्नातक परिणाम, आउटरीच और समावेशिता और धारणा जैसे पैरामीटर शामिल हैं। ये पैरामीटर एमएचआरडी द्वारा गठित एक कोर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर विकसित किए गए थे। इस ढांचे पर आधारित भारत रैंकिंग का पहला सेट 4 अप्रैल, 2016 को जारी किया गया था। तब से, यह एक वार्षिक अभ्यास बन गया है जिसका देश भर के शैक्षणिक संस्थान उत्सुकता से इंतजार करते हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 5

कुलपति को गुलदस्ता देकर सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लविवि शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

एनआईआरएफ रैंकिंग

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग 2024 में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में अपनी रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला गैर-विशेषज्ञ राज्य विश्वविद्यालय बन गया है।

विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालयों में 97, राज्य विश्वविद्यालयों में 32 और विधि श्रेणी में 23 रैंकिंग हासिल की है, जो शिक्षा, शोध और छात्र विकास के मानकों को बढ़ाने के इसके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। पिछले साल विश्वविद्यालय को 101-150 रैंक बैंक में रखा गया था और उससे पहले हम 151-200 रैंक बैंड में थे।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह रैंकिंग पूरे लखनऊ विश्वविद्यालय समुदाय के समर्पण और प्रयासों की मान्यता है। यह अकादमिक कठोरता, शोध नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के माहौल को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे और देश के शैक्षिक परिदृश्य में सकारात्मक योगदान देंगे। विश्वविद्यालय अपने बुनियादी ढांचे, शोध क्षमताओं और छात्र जुड़ाव पहलों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है (भारत के साथ-साथ राज्य में भी एनईपी को लागू करने वाला पहला संस्थान)। इसने पिछले चार वर्षों में 220 से अधिक संकाय सदस्यों को नियुक्त करके शिक्षक-छात्र अनुपात में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसके अलावा बड़े पैमाने पर प्लेसमेंट ड्राइव ने भी विश्वविद्यालय को यह रैंक हासिल करने में मदद की है।

एनआईआरएफ रैंकिंग में यह उपलब्धि आगे की प्रगति के लिए उत्प्रेरक का काम करती है और शिक्षा में उत्कृष्टता का केंद्र बनने के विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण को पुष्ट करती है।

पुस्तकालय विज्ञान के जनक का मनाया जन्मदिन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एसआर रंगनाथन की 132वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को पुस्तकों, पठन-पाठन और पुस्तकालयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के तत्वावधान में शहर के चार प्राथमिक विद्यालयों उच्च प्राथमिक विद्यालय, मड़ियांव, उर्दू मिशन स्कूल सदर बाजार, प्राथमिक विद्यालय, महानगर और करामत पब्लिक स्कूल निशातगंज में आयोजित कार्यक्रमों का विभागाध्यक्ष प्रो. बबीता जायसवाल ने नेतृत्व किया। कार्यक्रम के तहत सभी विद्यालयों में चलो कहानिया सुनें, पुस्तक को जानें, पठन-कौशल परीक्षण और बुकमार्क कलरिंग जैसी आकर्षक गतिविधियों की प्रस्तुति दी गई।

मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है रैगिंग

छात्र- छात्राओं ने रैली निकालकर किया जागरूक। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रैगिंग मुक्त परिसर के बैंड वितरण के साथ एंटी रैगिंग सप्ताह की शुरुआत की। कुलपति ने कहा कि रैगिंग एक गंभीर विषय है जो न केवल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाती है।

प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और एक रैगिंग मुक्त परिसर बनाने में अपना योगदान दें। यह सामूहिक प्रयास न केवल वर्तमान छात्रों के लिए लाभदायक होगा, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करेगा।

कुलानुशासक, प्रो. राकेश द्विवेदी ने भी रैगिंग के प्रति जानकारी साझा की। इस मौके पर रैली भी निकाली गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय में रैगिंग मुक्त परिसर के बैंड वितरण के साथ हुई एंटी रैगिंग सप्ताह की शुरुआत

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि ने एनआईआरएफ रैंकिंग में हासिल की उपलब्धि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को आज जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग 2024 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बारे में बताते हुए गर्व हो रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित एनआईआरएफ में शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में अपनी रैंक हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ, विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में जगह बनाने वाला उत्तर प्रदेश का पहला गैर-विशेषज्ञ राज्य विश्वविद्यालय बन गया है।

विश्वविद्यालय ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है, जिससे भारत के शीर्ष संस्थानों में एक सराहनीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस वर्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालयों में 97, राज्य विश्वविद्यालयों में 32 और विधि श्रेणी में 23 रैंकिंग हासिल की है, जो शिक्षा, शोध और छात्र विकास के मानकों को बढ़ाने के इसके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। पिछले साल विश्वविद्यालय को 101-150 रैंक बैंक में रखा गया था और उससे पहले हम 151-200 रैंक बैंड में थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ₹यह रैंकिंग पूरे लखनऊ विश्वविद्यालय समुदाय के समर्पण और प्रयासों की मान्यता है। यह अकादमिक कठोरता, शोध नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के माहौल को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे और देश के शैक्षिक परिदृश्य में सकारात्मक योगदान देंगे। विश्वविद्यालय अपने बुनियादी ढांचे, शोध क्षमताओं और छात्र जुड़ाव पहलों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।

एनआईआरएफ रैंकिंग में बीबीएयू 58 वें स्थान पर

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ रैंकिंग) में पूरे देश में 58 रैंक हासिल की है जोकि पिछले साल से 11 रैंक ऊपर है। वहीं विश्वविद्यालय श्रेणी में 33वां स्थान प्राप्त हुआ है। इस वर्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालयों में 97, राज्य विश्वविद्यालयों में 32 और विधि श्रेणी में 23 रैंकिंग हासिल की है, जो शिक्षा, शोध और छात्र विकास के मानकों को बढ़ाने के इसके निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। पिछले साल विश्वविद्यालय को 101-150 रैंक बैंक में रखा गया था और उससे पहले हम 151-200 रैंक बैंड में थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह रैंकिंग पूरे लखनऊ विश्वविद्यालय समुदाय के समर्पण और प्रयासों की मान्यता है। यह अकादमिक कठोरता, शोध नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी के माहौल को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे और देश के शैक्षिक परिदृश्य में सकारात्मक योगदान देंगे। विश्वविद्यालय अपने बुनियादी ढांचे, शोध क्षमताओं और छात्र जुड़ाव पहलों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।

भाषा वही है जो बोलने के व्यवहार में शामिल हो

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ